

संपादकीय मोदी का परिवार-विपक्ष का विरोध हास्यास्पद

क्या बदल सकेगी किस्मत

अदानी ग्रुप को एशिया की सबसे बड़ी स्लम बस्ती मुबई की धारावी के रि-डेवलपमेंट की अनुमति मिलने के बाद स्लम बस्तियां फिर चर्चा में आ गई हैं। असल में स्लम बस्तियां भारत ही नहीं, बल्कि समूची दुनिया के लिए समस्या बनी हुई हैं। दुनिया की एक चौथाई शहरी आबादी स्लम बस्तियों में रहती है। आने वाले 10 वर्षों में भारत की 50 प्रतिशत आबादी नगरों में रहने लगेगी। देश की वर्तमान आबादी का 28 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। शहरी आबादी में होने वाली बेतहाशा वृद्धि का सीधा प्रभाव आवासन पर पड़ेगा जिससे आने वाले वर्षों में मिलन बस्तियों में रहने वाली आबादी में तीव्र वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 2,613 शहरों में स्लम ऐरिया हैं, जहां बहुत बड़ी आबादी इन बस्तियों में रहती है। इनमें से 57 फीसद तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आती है। दिल्ली दुनिया का छठा सबसे बड़ा महानगर है। इसके बावजूद यहां एक तिहाई आवास स्लम क्षेत्र के हिस्से हैं। इस हिस्से में कोई बुनियादी संसाधन उपलब्ध नहीं है। हाल में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर छठा शहरी नागरिक स्लम बस्तियों में रहने के लिए मजबूर है। आंकड़े बताते हैं कि जहां आंध्र प्रदेश में हर तीसरा शहरी परिवार मिलन बस्तियों में रहता है, वहीं ओडिशा में हर 10 घर में से नौ में जल निकासी की सुविधा नहीं है। शहरों की चकाचौंधुरी का हिस्सा होने के बावजूद इन बस्तियों में रहने वाले लोग आज भी अंधेरे में हैं। गंदी बस्तियों में रहने वाले विकसित समाज, राजनीतिक गलियारों और प्रशासन की बेरुखी के शिकार हैं। असल में स्लम क्षेत्र का आशय सार्वजनिक भूमि पर अवैध शहरी बस्तियों से है। आम तौर पर यह एक निश्चित अवधि के दौरान निरंतर एवं अनियमित तरीके से विकसित होता है। स्लम को शहरीकरण का अभिन्न अंग माना जाता है और शहरी क्षेत्र में समग्र सामाजिक-आर्थिक नीतियों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन के रूप में देखा जाता है। स्लम ऐरिया में साक्षरता दर कम है। हालांकि धारावी में साक्षरता दर 69 प्रतिशत है। आंध्र प्रदेश में शहरी आबादी का 36.1 प्रतिशत हिस्सा मिलन बस्तियों में रहता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओडिशा की मिलन बस्तियों में रहने वाले 64.1 प्रतिशत घरों में अब तक पीने का स्वच्छ पानी नहीं पहुंच पाया है। इन बस्तियों के 90 प्रतिशत घरों से जल निकासी का कोई प्रबंध नहीं है।

विचार

विपक्षी इंडिया गठबंधन की राम लीला मैदान में रैली की सफलता

नेताओं के जुटान के नजरिए से देखा जाए तो विपक्षी इंडिया गठबंधन की दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली एक सफल रैली थी। इसने अपने अंतर्विरोधों के साथ और उसके बावजूद भी एक जुटा जाहिर की है, जिससे यह संदेश गया है कि इंडिया में एनडीए को चुनौती देने का दम-खम है। भ्रष्टाचार के कथित मामले में जांच एजेंसियों की 'एकपक्षीय' सक्रियता से भी उनके नेताओं के चुनावी जोश में कोई फर्क नहीं पड़ा है। इंडिया के 27-28 दलों की मंच पर कतारबद्ध मौजूदगी इसे प्रामाणिक बनाती है। तभी तो रैली में रखे कांग्रेस के पांच न्यायों में से एक 'चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई' को तुरंत बंद करने की आयोग से मांग' पर कदम उठाया गया है। आयकर विभाग ने जुलाई तक उसके खाते पर किसी कार्रवाई से इनकार कर दिया है। यह त्वरित सफलता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग से आम चुनावों में समान अवसर मुहैया कराने, चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों की कार्रवाईयों पर रोक लगवाने, चुनावी चंदे का उपयोग कर भाजपा द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी का गठन करने तथा सरकार से हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल की तुरंत रिहाई की मांग उन पांच न्यायों में शामिल हैं। ये बिंदु विपक्ष के चुनाव प्रचार एवं मुद्रे की एक व्यापक आम समझ जाहिर करते हैं। इन्हीं मुद्रों पर विपक्ष चुनाव में सरकार को धेरेगा। इनके बावजूद, दलगत सिद्धांतों एवं इसी आधार पर सीट शेयरिंग के साथ चुनिंदा नेताओं के व्यक्तित्व को लेकर एक समझ में आ सकने वाली दुविधा से यह रैली अद्भूती नहीं थी। इसकी आयोजक-संयोजक कही जाने वाली आप इसको अपने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फोकस करना चाहती थीं, जो कांग्रेस के कड़े विरोध के चलते संभव नहीं हुआ। पर आप को इससे कोई फायदा नहीं हुआ, ऐसा भी नहीं है। इस रैली से सुनीता केजरीवाल की सियासत में एक ग्रैंड इंट्री हुई है, जिन्होंने गारंटी के छह मुद्रे रखने के साथ अपने पति को इस्टीफा नहीं दिलाने पर जनस्वीकृति भी ली है। अगर 'संवैधानिक व्यवस्था ध्वस्त होने' या नैतिकता पालन के नाम पर अरविंद केजरीवाल हटे या हटाए गए तो उनकी पत्नी उनकी जगह ले लेंगी। हालांकि इंडिया की इस रैली की उसकी एक जुटा से शासन के वैकल्पिक एजेंडे की उम्मीद थी, जो पूरी नहीं हई।

ਰਿਜ਼ਰਵ ਬੈਂਕ ਦੀ ਲਿਏ ਆਗੇ ਦੀ ਰਾਹ

सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 90वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा कि बैंक ने देश को विकास के मार्ग पर आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाई है। दीर्घावधि की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए वित्तीय स्थिरता एक अनिवार्य शर्त है। इस समय रिजर्व बैंक इस महत्वपूर्ण पड़ाव का जश्न मना रहा है और यह उचित अवसर है कि संस्थान न केवल अपनी अतीत की उपलब्धियों को सामने रखे बल्कि भविष्य के लिए अपनी योजनाएं भी प्रस्तुत करे। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि वृहद आर्थिक स्थिति और नियामकीय चुनौतियों में निरंतर बदलाव आ रहा है। साफ कहें तो केंद्रीय बैंक बीते दशकों में अपने दायित्वों और कार्यों के साथ निरंतर विकसित हुआ है। समय-समय पर मतभेद के बावजूद सरकार ने इस सफर में रिजर्व बैंक को विधिक और सांस्थानिक सहायता मुहैया कराई है। इन बातों का यह आशय कठई नहीं है कि भारत की व्यवस्थाएं पूरी तरह खामी रहित हैं लेकिन बीते वर्षों में जो विकास हुआ है वह भी सकारात्मक दिशा में है। हाल के वर्षों के सबसे अहम घटनाक्रम में एक रहा है आरबीआई अधिनियम में संशोधन करना ताकि उसे मुद्रास्फीति को लक्षित करने वाले केंद्रीय बैंक में बदला जा सके। विभिन्न धड़ों के विरोध के बावजूद सरकार मौद्रिक नीति ढांचे को मजबूत बनाने के विचार पर सहमत है। इस बात ने मौद्रिक नीति के संचालन को अधिक पारदर्शी बनाया है और निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की है। हाल के समय में कुछ भ्रम की स्थिति बनने पर रिजर्व बैंक ने यह दोहरा कर सही किया कि वह मुद्रास्फीति को लक्षित करने के विधिक अधिदेश का पालन करेगा। इसके अलावा वृहद आर्थिक स्थिरता में सुधार की एक वजह रिजर्व बैंक द्वारा बाह्य क्षेत्र का कुशल प्रबंधन भी है। उसने अवसरों का लाभ लेकर बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार खड़ा किया जिसने मौद्रिक अस्थिरता को समाप्त किया।

अवधीश कुमार

अदानी ग्रुप को एशिया की सबसे बड़ी स्लम बस्ती मुंबई की धारावी के प्र-डवलपमेंट की अनुमति मिलने के बाद स्लम बस्तियां फिर चर्चा में आ गई हैं। असल में स्लम बस्तियां भारत ही नहीं, बल्कि समूची दुनिया के लिए समस्या बनी हुई हैं। दुनिया की एक चौथाई शहरी आबादी स्लम बस्तियों में रहती है। अनेक बाले 10 वर्षों में भारत की 50 प्रतिशत आबादी नगरों में रहने लगेगी। देश की वर्तमान आबादी का 28 प्रतिशत हिस्सा शहरों में रहता है। शहरी आबादी में होने वाली बेतहाशा वृद्धि का सीधा प्रभाव आवासन पर पड़ेगा जिससे अनेक बाले वर्षों में मलिन बस्तियों में रहने वाली आबादी में तीव्र वृद्धि होगी। एक रिपोर्ट



भी विपक्ष के लिए फिर उल्टा पड़ जाएगा ? यह ऐसा भावनात्मक विषय है जो लोगों के दिलों पर सीधा असर डालता है। हमारे देश में अविवाहित रहकर यानी परिवार न बसा कर या परिवार का त्याग कर देश, समाज, धर्म की सेवा या आत्म साधना में जीवन लगाने वालों की बड़ी संख्या है। राजनीति में सभी विचारधाराओं में ऐसे लोग रहे हैं जिनका सम्मान समाज में हमेशा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार इस मामले में इसलिए शीर्ष पर हैं क्योंकि वहां जीवनदानी प्रचारकों की सबसे ज्यादा संख्या है। समाजवादियों में भी ऐसे लोग रहे हैं। समाजवादी नेताओं ने भी अपने जीवन काल में वंशवाद और परिवारवाद को बड़ा मुद्दा बनाया, पर प्रत्युत्तर में इस तरह उनके परिवार न होने पर किसी ने प्रश्न नहीं उठाया। उठाया भी नहीं जाना चाहिए। मोटी आज प्रधानमंत्री हैं तो लगता है कि उनके पास सारे सुख साधन हैं और इसलिए हमला करने पर लोग प्रभावित हो जाएंगे। उन्होंने जब परिवार से अलग होकर संघ का प्रचारक बनकर अपनी विचारधारा के अनुरूप राष्ट्र सेवा का व्रत लिया होगा तो इसकी कल्पना नहीं रही होगी कि राजनीति में किसी समय में शीर्ष पर जा सकते हैं। उस समय जनसंघ या बाद में भाजपा की हैसियत इतनी

बड़ी नहीं थी औ जितनी थी उनमें बड़े कद के नेताओं की भी इन्हीं लंबी कतार थी कि देश एवं अनेक राज्यों की सत्ता में आने पर शीर्ष नेता होने का सपना संजोया जाए। सैकड़ों की संख्या में ऐसे जीवन दानी संघ परिवार के साथ-साथ अनेक गैर राजनीतिक राजनीतिक संगठनों में लोग पहले भी थे और आज भी हैं। या देश का दुर्भाग्य है कि हम राजनीतिक तृतृ में मैं इस विषय को घसीटते हैं। बास्तव में आज पार्टीयां में एक ही परिवार से निकले हुए लोगों के हाथों नेतृत्व और निर्णय की मुख्य कमान रहने राजनीति का सबसे बड़ा गोग बना हुआ है। इसके कारण योग्य, ईमानदार, सक्षम और समर्पित लोगों का उनकी क्षमता के अनुसार राजनीति में अवसर मिलना बाधित है। व्यवस्था में ऐसे लोग भी परिवारवादी नेतृत्व के समक्ष नतमस्तक होकर हाँ-मैं-हाँ मिलाने और अपने को उनके साथ एडजस्ट करने को विवश हैं। ज्यादातर परिवारवादी नेतृत्व ने सत्ता का हार स्तर पर दुरु पयोग किया है। देख लीजिए इनमें ज्यादातर के परिवार या वे स्वयं भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव के तो चारा घोटाले के तीन मामलों में सजा भी मिल चुकी है। किसी राजनीतिक परिवार से अगली पीढ़ी के राजनीति में सक्रिय होना और परिवार के हाथों ही

नेतृत्व सिमटे रहने में मूलभूत अंतर है। परिवारवादी नेतृत्व वालों पर हमला होगा या उनकी आलोचना होगी तो निश्चित रूप से वे तिलमिलाएंगे। इसका उत्तर यह नहीं हो सकता जो लालू प्रसाद यादव जी ने दिया है। यह राजनीतिक विरोधियों की आलोचना के संदर्भ में स्थापित मर्यादाओं का दुर्भाग्यपूर्ण अतिक्रमण है। हालांकि लालू यादव के वक्तव्य का सही अर्थ समझना भी कठिन है। वे कहते हैं कि जिनके ज्यादा बच्चे हैं उन पर वह प्रश्न उठते हैं और कहते हैं कि परिवारवाद को बढ़ावा दे रहा है तो वह बताएं कि उनके परिवार क्यों नहीं हैं? प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तरीके से बता दिया कि उनका परिवार क्यों नहीं है। उनके पार्टी और समर्थकों ने बता दिया कि उनका एक बड़ा परिवार है। इसका लालू प्रसाद यादव और उनके समर्थकों के पास क्या उत्तर हो सकता है? जो उत्तर वह देंगे या दे रहे हैं क्या वह लोगों के अंतर्मन को बाकई छू पाएगा? कर्तव्य नहीं। सच यही है कि परिवारवादी नेतृत्व या परिवार के कारण योग्य अक्षम लोगों का राजनीति में प्रभावी होने जैसी दुष्प्रवृत्ति का कोई सकारात्मक उत्तर दिया ही नहीं जा सकता है। प्रश्न है कि क्या 'मैं हूं मोदी का परिवार' नारा भी विपक्ष के लिए फिर उल्टा पड़ जाएगा? यह ऐसा भावनात्मक विषय है जो लोगों के दिलों पर सीधा असर डालता है। हमारे देश में अविवाहित रहकर यानी परिवार न बसा कर या परिवार का त्याग कर देश, समाज, धर्म की सेवा या आत्म साधना में जीवन लगाने वालों की बड़ी संख्या है। राजनीति में सभी विचारधाराओं में ऐसे लोग रहे हैं जिनका सम्मान समाज में हेतु रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार इस मामले में इसलिए शीर्ष पर हैं क्योंकि वहां जीवनदानी प्रचारकों की सबसे ज्यादा संख्या है। समाजवादियों में भी ऐसे लोग रहे हैं। जिस मंच पर लालू जी ने प्रधानमंत्री पर हमला किया उसी से उन्होंने अपनी बेटी रोहिणी आचार्य को राजनीति में लॉन्च भी किया। लालू जी का मोदी पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है। भाजा समर्थक इस तरह के हमले को आसानी से सहन नहीं कर सकते।

विकास और प्रतिष्ठा के आधार पर मतदान की संभावना

ડા. રવીન્દ્ર અરજારિયા

चुनावी काल की राजनैतिक सरगमियों के मध्य विदेशी तातों के ब्वारा देश की आन्तरिक व्यवस्था पर टिप्पणियों का दौर प्रारम्भ हो गया है। दुनिया की व्यवस्था की स्वयंभू टेकेदारी सम्हालने वाले भारत के स्वरूप को अपने ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे हैं। स्वाधीनता के बाद की इण्डिया का भारत के रूप में कायाकल्प होते ही अहंकार में डब्बे हथियारों के विक्रेताओं के माथे पर बल पड़ने लगा है। कभी हमारी न्याय व्यवस्था को रेखांकित करने की कोशिशें होती हैं तो कभी आरोपियों की वकालत की जाने लगती है। जग जाहिर है कि दुनिया भर के जालसज्ज-भगोड़ों का कवच बनने वाले राष्ट्र हमेशा से ही अन्य देशों पर शिकंजा कसने के लिए दबाव बनाकर लाभ का अवसर तलाशते रहते हैं। आतंकवाद को पर्दे के पीछे से सहयोग करके संसार में अस्थिरता पैदा करने वाले हथियारों के निर्यातक देश दूसरों के कन्धों पर बंदूक रखकर गोली चलने में माहिर है। ऐसे पड़यंत्रकारी भूभाग वर्तमान में भारत की नीतियों, व्यवस्था और विकास के कारण आन्तरिक रूप से व्यथित हैं। स्वाभिमान के शिखर की ओर अग्रसर होने वाले भारत में आत्मविश्वास का सूर्य चमकने लगा है। देश के साथ वैमनुष्यता रखने वालों के हाथों में कटोरे आते जा रहे हैं। वहाँ की अभाव भरी जिन्दगियों ने आन्तरिक विद्रोह की राह पकड़ ली है। चीन की चालों में फंसे कई देशों की कराह निकलने लगी है। वे दिवालिया होने होने की व्वारा पंखुडियां बिछाने, प्रोटोकाल तोड़कर वहाँ के राष्ट्राध्यक्षों व्वारा अगवानी करने तथा सर्वोच्च सम्मान देने से आतंक को संरक्षकों के सीने पर सांप लोटने लगे हैं। मुस्लिम राष्ट्रों में भी साम्प्रदायिक सौहार्द स्थापित करने की दिशा में भारत के साथ कदमताल करने के संकेत दे दिये हैं। वसुधैव कुटुम्ब कम की अवधारणा तले विश्व विरादरी जमा होने लगी है। सर्वे भवन्तु सुखिन् के अनुशासिक संकल्प दोहराये जाने लगे हैं। वर्तमान भारतवर्ष का ऊर्जा चक्र विश्व संघर्षों पर पूर्णविराम लगाने लगा है। वर्तमान के लोकसभा के चुनावी काल में ही रूस और यूक्रेन जैसे राष्ट्रों ने एक साथ भारत को आमंत्रित किया है। दौनों पक्षों के विश्वास है कि भारत की पहल पर ही विश्व शान्ति सम्भव है। दूसरों के मामलों में चौधरी बनने के मंसुबे पालने वालों को मुंहोड जवाब मिलते ही उनके सिपाहसालार मासूसी के दलदल में डूबने लगे हैं। आर्थिक अपराध, सामाजिक अपराध, संवैधानिक अपराध, मानवीय अपराध के पुराधारों को सलालों की सौगात मिलते ही उनके संरक्षक बौखला उठे। देश की स्वतंत्र संस्थाओं की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह अंकित करके वे अपने कलेजे को ठंडा करने की कोशिश में हैं। संयुक्त राष्ट्र की पत्रकार वार्ता में भारत के आन्तरिक मुद्दों पर बंगलादेशी पत्रकार से प्रश्न उठवाने वाले एक तीर में दो निशाने करना चाहते थे। अमेरिका, जर्मनी के व्वारा भारत के आन्तरिक मुद्दों पर

ज्ञान देने की त्रिंखला को संयुक्त राष्ट्र संघ तक पहुँचने की कोशिश के साथ-साथ भारत-बंगलादेश की दोस्ती को संदेह के दायरे में लाने का लक्ष्य भी शामिल था। आश्वर्य होता है कि बंगलादेशी पत्रकार व्यापार किन्हीं खास कारणों से पूछे गये प्रश्न को हमारे देश के अनेक मीडिया हाउस स्वयं की सुर्खियां बनाने में जुट गये दूसरों की सोच को समर्थन देने के पीछे की मंशा को देश हित की पहल नहीं कहा जा सकता। संस्थान विशेष का पत्रकार अपने नियुक्तकर्ता के सिधान्तों का अनुशरण करता है, उनकी नीतियों के अनुरूप प्रश्न करता है और वहीं प्रकाशित-प्रसारित भी करता है। यदि कोई अन्य संस्थान उसी प्रश्न को उठाता है तो निश्चय ही उसकी सोच भी प्रश्नकर्ता की सोच से सहमत होगी। ऐसे में राष्ट्रहित, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीयता पर ही प्रश्न चिन्ह लग जाते हैं। इन दिनों हाथों में हरा झंडा थामकर लाल सलाम करने वालों के पड़यत्र उजागर होने लगे हैं जिन्हें दबाने हेतु काले लबादा का सहारा लिया जाने लगा है। दबाव की राजनैतिक चालों से देश के वातावरण में अराजकता फैलाने के प्रयास एक बात, फिर तेज कर दिये गये हैं। मीर जाफर को आदर्श मानने वाले स्वयं के हित के लिए देश की अस्मिता को सौंदर्य करने लगे। कभी निर्वाचन आयोग पर सवालिया प्रहार होते हैं तो कभी न्यायपालिका के क्रियाकलापों को संदेह की नजरों से देखा जाता है। शिक्षा के मर्दिनों में राजनैतिक अलाव जलाया जाने लगा। शिक्षा माफियों की एक बड़ी जमात फर्जी अंकसूचियों के आधार पर असामाजिक तत्वों को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश

ईमानदारी पर सिर्फ हमारी ठेकेदारी....

विभांशु दिव्याल

राष्ट्रीय राजनीति में दे दनादन चौके-छक्के मारकर
तुरत-फुरत बड़ा स्कोर जुटाती हुई, देश के अनेक राज्यों
में अपने मजबूत पांव फैलाती हुई और चारों तरफ मोदी
विरोध का डका बजाती हुई, आम आदमी पार्टी के
कट्टर ईमानदार और पार्टी के पितृपुरुष सर्वेसर्वा ईमानी
नेता को लेकर भाजपा सरकार के परम पुनीत प्रवर्तन
निदेशलाय ने अंततः अपना मनचाहा संकल्प पूरा किया
और भाई को सलाखों के पीछे पहुंचाकर ही दम लिया।
एक तरफ कट्टर ईमानदार सरकारी प्रधान, दूसरी तरफ
कट्टर ईमानदार आम पार्टी का ईमानी नेता। दो कट्टर
ईमानदारों के बीच जानमारु प्रतिद्वंद्विता के उग्र स्वरूप
को देखकर हमारे झल्लन का दिल भर आया और वह



कि जो शराब घोटाला सामने आया है, जिसने इतना उत्पात मचाया है वो आपके हेहसाब से हुआ ही नहीं, सब दारू में ड्रग गये मगर किसी ने दारू को छुआ नहीं? ईमानी नेता-जाहिर है सब खेल हमें परेशान करने के लिए रखाया गया है, हमारे नेताओं पर झुठे आरोप लगाकर जेल में डलवाया गया है झ़ल्लन-अच्छा, जब आप आरोप लगाते थे, भष्ट और चोर नेताओं की सूची बनाकर मंच से सुनाते थे, उन्हें बार-बार जेल का हकदार बताते थे, तो तब उन पर आप किस आधार पर आरोप लगाते थे, किस बिना पर उन्हें चोर-भ्रष्टाचारी बताते थे? ईमानी नेता-उनके कारनामे तो एजेंसियां उजागर करती थीं, हमें बताती थीं। झ़ल्लन-यानी जब औरें पर एजेंसियां आरोप लगाएं तो वे सही होती हैं पर जब आपको आरोपित ठहराएं तो वे गलत और घड़्यन्त्रकरी होती हैं। खैर, अच्छी बात है कि आप अपने सही और न्यायनिष्ठ होने का फैसला स्वयं अपने हक में कर लेते हैं इसलिए किसी भी एजेंसी के सम्मन को दरकिनार का देते हैं। लेकिन यह बताइए कि जिस

कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की आप सूची जारी किया करते थे और जिस कांग्रेस के नेता कुछ समय पहले तब आपको शराब धोटाले का सूत्रधार बताया करते थे आपकी गिरफ्तारी की मांग किया करते थे, आप उसका कांग्रेस से हाथ मिला रहे हैं और अपनी जेल मुक्ति के लिए उसी से करुण गुहार लगा रहे हैं। क्या आपका जमीर आपको कोंचता नहीं है, आपसे कुछ पूछता नहीं है? इमानी नेता-हम कट्टर देशभक्त हैं, देश बचाना चाहते हैं, देश का संविधान बचाना चाहते हैं, अपने देश के लिए हम जमीर की कुर्बानी दे सकते हैं और संविधान बचाने के लिए कांग्रेस तो क्या, भ्रष्ट से भ्रष्ट व्यक्ति का भी साथ ले सकते हैं। झ़ल्लन-तो आप कह रहे हैं कि भ्रष्ट लोगों से हाथ मिलाए बिना आप संविधान नहीं बचा सकते, या कहना चाहते हैं कि बिना उनके आप सत्ताधारी पार्टी को नहीं हरा सकते? या बिना इस भ्रष्ट कुनबे के आगे दंडवत किये आप अपनी महत्वाकांक्षानुसार प्रधानमंत्री पद की दौड़ में आगे नहीं आ सकते? इमानी नेता-ये सारे आरोप गलत हैं, हाँ

दिलाकर वहां के वातावरण को दूषित करने में लगी है। शिक्षा प्रदान करने वाले स्थानों में देश के टुकड़े करने की कसर्में दिलाई जाने लगी हैं। राजनीति को पेशा बना चुके घरानों के स्वयंभू सुप्रियों ऐसे लोगों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़े हो जाते हैं। आज हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि जातियों के बोटों का ठेका लेने वाले लोग राजनीतिक दलों से सौंदेबाजी करने में जुटे हैं। समानता का राग अलापने वाले अब जातिगत विभेद पैदा करने हेतु षडयंत्र करने में जुट गये हैं। सम्प्रदायागत भय पैदा करने वाले कटूरवातियों द्वारा देश के विभिन्न स्थानों पर अपने गुर्गों से आतंक फैलाने की कोशिशें कर रहे हैं। कहीं आईएसआईएस से धमकी दिलाई जा रही है तो कहीं आईएसआई के समर्थकों की चुनौतियां सामने आ रहीं हैं। रमजान के महीने में भी निरीहों के खून की होली खेलने वाले अब अल्पाह के पैगाम पर मुल्लाओं के तर्जुमा को यकीनी मानकर जनत की हूरों के सपने देखने लगे हैं। तर्जुमा करने वालों की संतानें खुशहाल देशों में अव्यासी भरी जिंदगी जी रही हैं। सुरक्षा के सात तालों में बंद होकर रहने वाले खुराफाती लोग ही दूसरों की औलादों को खुदा के नाम पर खुदकशी करने के लिए उकसा रहे हैं। दीन की तालीम के नाम पर अनेक संस्थानों में जेहाद की पढाई चल रही है। लोकसभा चुनाव में झूटी अफवाहों, मनगढ़न घटनाओं और उत्तेजनात्मक सामग्री परेसी जा रही है। वाट्सएप जैसे अनिगत प्लेटफार्म निरंकुश होकर देश की गंगा-जमुनी संस्कृति को रोगस्तान बनाने पर तुले हैं। निजी समूहों के नाम पर बनाये जाने वाले अनेक ग्रुप में उत्तेजनात्मक सामग्री उडेली जा रही है।

संविधान बचाने आये थे, सो संविधान को हर हाल में बचाएंगे। संविधान बचाने में पूरी ईमानदारी दिखाएंगे और ईमानदारी पर अपनी ठेकेदारी किसी भी सूरत में नहीं हटाएंगे। झल्लन-यानी जब औरें पर एजेंसियां आरोप लगाएं तो वे सही होती हैं पर जब आपको आरोपित ठहराएं तो वे गलत और घड़यंत्रकारी होती हैं। खैर, अच्छी बात है कि आप अपने सही और न्यायनिष्ठ होने का फैसला स्वयं अपने हक में कर लेते हैं इसलिए किसी भी एजेंसी के सम्मन को दरकिनार कर देते हैं। लेकिन यह बताइए कि जिस कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं की आप सूची जारी किया करते थे और जिस कांग्रेस के नेता कुछ समय पहले तक आपको शराब घोटाले का सूखधार बताया करते थे, आपकी गिरफ्तारी की मांग किया करते थे, आप उसी कांग्रेस से हाथ मिला रहे हैं और अपनी जेल मुक्ति के लिए उसी से करुण गुहर लगा रहे हैं। क्या आपको जमीर आपको कोंचता नहीं है, आपसे कुछ पूछता नहीं है? ईमानी नेता-हम कट्टर देशभक्त हैं, देश बचाना चाहते हैं, देश का संविधान बचाना चाहते हैं, अपने देश के लिए हम जमीर की कुर्बानी दे सकते हैं और संविधान बचाने के लिए कांग्रेस तो क्या, भ्रष्ट से भ्रष्ट व्यक्ति का भी साथ ले सकते हैं झल्लन-चल्लिए ठीक है, न खाता न बही जो आप कहें वही सही। पर ये तो बताइए, जब आप जेल आ रहे थे तो आपके मन में क्या खयाल आ रहे थे? आपने क्यों नहीं सोचा कि परंपरानुसार पद से इस्तीफा दे देते और नैतिकता के पालन का थोड़ा श्रेय ले लेते? ईमानी नेता-सुनो मियां झल्लन, जिस नैतिकता की तुम बात कर रहे हो वह प्रजाति अब विलुप्त है, राजनीति के कब्रगाह में सुस है। अब जो हम सोचें, जो हम कहें, जो हम करें वही नैतिक होता है इसके अलावा जो भी कुछ होता है वह अनैतिक होता है। कोई कुछ भी कहे हम किसी के जांसे में नहीं आएंगे, हम जेल में हैं तो जेल से ही प्रचार करेंगे और जेल से ही अपनी सरकार चलाएंगे, और अब अगली बातें अगले इंटरव्यू में बताएंगे।

व्यापार समाचार

दस हजार मेगावाट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करने वाली भारत की पहली कंपनी बनी अदाणी ग्रीन एनर्जी

अहमदाबाद (एजेंसी)। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) 10 हजार मेगावाट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। यह जानकारी बुधवार को कंपनी की ओर से दी गई। एजीईएल की ओर से उत्पादित 10,934 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी से 5.8 मिलियन से अधिक घरों को बिजली मिलेगी। यह सालाना लगभग 21 मिलियन टन कार्बनडाइऑक्साइड के उत्पर्जन को भी रोकेगा। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा, हमें रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भारत का पहला 'दस हजारी' होने पर गर्व है। अदाणी समूह के संस्थापक और चेयरमैन ने कहा, एक दशक से भी कम समय में अदाणी ग्रीन एनर्जी ने न केवल एक हरित भविष्य की कल्पना की है, बल्कि इसे साकार भी किया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए 10 हजार मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन करने की क्षमता हासिल की है। इसमें 7,393 मेगावाट सौर ऊर्जा, 1,401 मेगावाट पवन ऊर्जा और 2,140 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड ऊर्जा शामिल है। यह मील का पत्थर भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों में से एक एजीईएल और उसके साझेदारों की स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है, जो 2030 तक 45 हजार गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। गौतम अदाणी ने कहा, यह उपलब्धि उस तेजी और पैमाने का प्रदर्शन है, जिस पर अदाणी समूह का लक्ष्य भारत को स्वच्छ, विश्वसनीय और किफायती ऊर्जा की ओर ले जाना है। गौरतलब है कि कंपनी गुजरात के कच्छ के खावड़ा में बंजर भूमि पर 30 हजार मेगावाट बिजली के उत्पादन के लिए दुनिया की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी परियोजना विकसित कर रही है। 538 वर्ग किमी की इस परियोजना का आकार पेरिस के आकार से पांच गना और लगभग मंबई शहर जितना बड़ा है।

मेटा ने भारत में फेसबूक व इस्टाग्राम से 1.38 करोड़ से ज्यादा खराब सामग्री हटाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। मेटा ने कहा कि उसने भारत में फेसबुक की 13 पॉलिसियों में 1.38 करोड़ से ज्यादा खराब सामग्री और इंस्टाग्राम की 12 पॉलिसियों में 40.8 लाख से ज्यादा आपत्तिजनक सामग्री हटा दी। फरवरी में फेसबुक को भारतीय शिकायत त्रंत के जरिए 18,512 रिपोर्ट ग्राप हुईं और कहा गया कि उसने 9,300 मामलों में मुद्दे हल करने के लिए उपयोगकर्ताओं को उपकरण मुहैया कराए। मेटा ने आईटी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के अनुपालन में पेश अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा कि इनमें विशिष्ट उल्लंघनों के लिए सामग्री की रिपोर्ट करने खातिर पहले

इन प्राप्ति उल्लंघन के लिए सामग्री का प्रयोग जारी रहा। स्थापित चैनल है, जहां वे अपना डेटा डाउनलोड कर सकते हैं और खाता हैक किए जाने के मुद्दों को हल करने के उपाय वर्गरह शामिल हैं। मेटा ने कहा, अन्य 9,212 रिपोर्टों में जहां विशेष समीक्षा की जरूरत थी, हमने अपनी नीतियों के अनुसार सामग्री का विश्लेषण किया और कुल 2,970 शिकायतों पर कार्रवाई की। बाकी 6,242 शिकायतों की समीक्षा की गई, लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं की गई। इंस्टाग्राम पर कंपनी को भारतीय शिकायत तत्र के जरिए 12,709 रिपोर्ट प्राप्त हुईं। इसमें कहा गया है, इनमें से हमने 5,344 मामलों में उपयोगकर्ताओं को उनके मुद्दों को हल करने के लिए उपकरण प्रदान किए। अन्य 7,365 रिपोर्टों में, जहां विशेष समीक्षा की जरूरत थी, मेटा ने सामग्री का विश्लेषण किया और कुल 2,470 शिकायतों पर कार्रवाई की। बाकी 4,895 रिपोर्टों की समीक्षा की गई, लेकिन हो सकता है कि उन पर कार्रवाई न की गई हो। नए आईटी नियम 2021 के तहत 50 लाख से ज्यादा उपयोगकर्ताओं वाले बड़े डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित करनी होगी। मेटा ने कहा, हम सामग्री के उन टुकड़ों की संख्या मापते हैं (जैसे पोस्ट, फोटो, वीडियो या टिप्पणियां) जिन्हें अपने मानकों के विरुद्ध जाने पर हम कार्रवाई करते हैं। कार्रवाई करने में फेसबुक या इंस्टाग्राम से सामग्री के एक टुकड़े को हटाना या फोटो या वीडियो को कवर करना शामिल हो सकता है। कुछ दर्शकों को चेतावनी देकर परेशान किया जा रहा है। मेटा ने जनवरी में फेसबुक के लिए 13 पूलिसियों में 1.78 करोड़ से ज्यादा सामग्री को हटा दिया और इंस्टाग्राम के लिए 12 पूलिसियों में 40.8 लाख से ज्यादा आपत्तिजनक सामग्री हटाई।

मुकेश अंबानी एशिया में नंबर-1, जानें कौन है दुनिया का सबसे रईस शख्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अमीर लोगों के बारे में जानकारी रखने वाली वेबसाइट फोर्ब्स ने हाल ही में दुनिया के टॉप अमीर लोगों की लिस्ट के मुताबिक, भारत के दिग्गज कारोबारी और रिलाय়न्स इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार एशिया में नंबर 1 हैं। वहाँ, फोर्ब्स की लिस्ट में भी वो टॉप 10 में हैं। दुनिया में सबसे अमीर शाखा रुक्मिणी के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट हैं। जारी हुई फोर्ब्स की सूची में पहले नंबर पर फ़ांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट और उनका परिवार आया है। बर्नार्ड अर्नाल्ट 233 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ विश्व के सबसे अमीर लोगों की सूची में पहले स्थान पर पहुंचे हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर अमेरिका के रहने वाले एलन मस्क हैं, जिनकी कुल संपत्ति 195 बिलियन डॉलर बताई गई है। लिस्ट में अमेरिका के रहने वाले अमेजन के फॉउण्डर जेफ बेजोस अपनी 194 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचे हैं। चौथे स्थान पर अमेरिकी बिजेनेसमैन मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग हैं। पांचवें नंबर पर लैरी एलिसन हैं, जो ऑर्किल कंपनी चलाते हैं, इनके पास 141 बिलियन डॉलर की संपत्ति दर्ज की गई है। वॉरेन बफेट इस लिस्ट में 6वें स्थान पर हैं, उनके पास 133 बिलियन डॉलर की संपत्ति दर्ज की गई है। फोर्ब्स की सूची में माइक्रोसॉफ्ट के फॉउण्डर बिल गेट्स अपनी 128 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सातवें नंबर पर पहुंचे हैं। आठवें नंबर पर स्टीव बाल्मर 121 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति है। भारत से मुकेश अंबानी 116 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ नौवें नंबर पर हैं। वहाँ, दसवें नंबर पर अल्फाबेट के एश्वर्ह लैरी पेज हैं उनके पास 114 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ है।

मयंक यादव की रप्तार से आईपीएल में सभी अचंभित



बेंगलुरु(एजेंसी)। पहले दो आईपीएल मैचों में प्लेयर ऑफ़ द मैच, आईपीएल में सबसे अधिक लगातार 155 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से गेंद, लीग के इतिहास की चौथी सबसे तेज़ गेंद (156.7 किमी प्रति घंटा) । 21 साल के मध्यकाल यादव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ़ मैच जिताऊ स्पैल डालने के बाद मंगलवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ़ इसको दोहराया । उन्होंने चिनास्वामी स्टेडियम में चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेकर बेहतरीन स्पैल डाला, जिसमें गलेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन के विकेट शामिल थे । ये ऐसे बल्लेबाज़ हैं जो ऑस्ट्रेलिया की उड़ाल भरी

पिचों पर खेलने के आदी हैं, वहीं
एक विकेट रजत पाटीदार का भी
इसमें शामिल था। मैच के बाद मयंक
ने कहा, दो मैचों में दो प्लेयर ऑफ़
द मैच अवार्ड लेकर अच्छा लग रहा
है, लेकिन मैं इससे अधिक खुश हूँ
कि हम दोनों मैच जीते। मेरा लक्ष्य
देश के लिए काफ़ी वर्षों तक अच्छा
करना है, जितना मैं कर सकूँ। यह
बस शुरूआत है मेरा फ़ोकस मेरे मुख्य
लक्ष्य पर है। मयंक ने कहा कि उनका
पसंदीदा विकेट ग्रीन का था जो एक
तेज़ गेंद पर बीट होकर बोल्ड हो गए
और गेंद स्टंप्स से लगकर बन बाउंस
बाउंड्री तक पहुँची। मयंक ने कहा,
आपको इस गति से गेंदबाज़ी करने
के लिए कुछ चीज़ों की ज़रूरत होती
है, जैसे डाइट सोना और टेनिंग।

गर आप इस गति से गेंदबाजी रना चाहते हो तो आपको हर चीज़ सटीक होना जरूरी है। मेरा एकस मेरी डाइट पर है और साथ ही रिकवरी पर भी जिसमें आइस थ शामिल है। लखनऊ के कानान एल राहुल कीरिंग कर रहे थे और हमें कहा कि मयंक की एक गेंद उके ग्लब्स पर बहत ही तेज़ लगी। राहुल ने कहा, यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है जिस तरह की इन वीं में मयंक ने गेंदबाजी की है। इ शांति से और संयम के साथ आउट में बैठकर पिछले दो जून से इंतज़ार कर रहा था। वह छला सीजून चोटिल होने के बारण नहीं खेल सका। लेकिन वह बई में फुजियो के साथ रहकर काफ़ी कड़ी मेहनत कर रहा था। वह जानता है कि 155 किमी प्रति घंटा की गति से गेंदबाजी करना आसान नहीं है। युवा अवस्था में ही उसको कई चोट लग चुकी हैं। उसका बेहतीन मिज़ाज़ है और स्टॉप्स के पीछे 20 वार्ड से उसको गेंदबाजी करते देखने में मज़ा आ रहा है। जहाँ मैं चाहता हूँ वह वहीं गेंदबाजी कर रहा है। लखनऊ के ओपनर क्रिंटन डिकॉक ने कहा कि मयंक रॉकेट फेंक रहा था। डिकॉक ने कहा, उसको अपनी टीम में देखकर खुश हूँ। वह बहुत ही अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। आमतौर पर एक युवा के तौर पर इतनी गति के साथ गेंदबाजी करने से आप कई चीज़ों में फंस जाते हो।

**शीर्ष वरीय पेगुला ने अनिसिमोवा
को हराया; कोलिन्स भी जीतीं**



यास्त्रेमस्का को हराया। पेगुला कंपनी साथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी मैडिसन कीज़ उतनी भाग्यशाली नहीं रहीं, रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन से तीन सेटों में हार गई जिन्होंने 3-6, 6-3, 6-3 रे उलटफेर के साथ शीर्ष 20 प्रतिद्वंद्वी पर अपने करियर की दूसरी जीत दर्ज की। मंगलवार दोपहर को मियामी ओपन चैंपियन डेनिएल कोलिस्स ने पाउल बडोसा को 6-1, 6-4 से हरा दिया। वह बुधवार को दूसरे दौर में नंबर 2 वरीयता प्राप्त ओन्स जाबौर से खेलेंगी। बडोसा के लिए यह एक और निराशा थी। स्ट्रेस फैक्टर के कारण वह 2023 के आखिरी छह महीनों में कोर्ट से बाहर रही थीं।

आर्थिक संकट में घिरी बायजू में छंटनी का सिलसिला जारी, कंपनी ने एक कॉल पर की रैकड़ों की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा कि वह पुनर्गठन अभ्यास के अंतिम चरण में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी कर्मचारियों को बिना नोटिस पीरियड दिए ही जाने दे रही है। बायजूस ने छंटनी के लेटेस्ट राउंड में सेल्स डिपार्टमेंट में काम करने वालों को बाहर का रास्ता दिखाने की घोषणा की है। इसके लिए कर्मचारियों को पहले से कोई नोटिस भी नहीं दिया गया। बायजूस में इस बार की छंटनी का असर 500 कर्मचारियों तक पर पड़ सकता है। इस बार इन कर्मचारियों को 31 मार्च को एचआर डिपार्टमेंट से कॉल आया। कॉल के दौरान ही उन्हें बता दिया गया कि कंपनी ने उन्हें नौकरी से निकालने का प्रोसेस शुरू कर दिया है और तत्काल उनकी एकिजट प्रोसेस शुरू की जा रही है। उन कर्मचारियों का लास्ट वर्किंग डे 31 मार्च ही था। एक बयान के अनुसार, कंपनी ने अभी तक अपने कर्मचारियों को मार्च महीने का वेतन नहीं दिया है। कंपनी परिचालन संरचनाओं को सरल बनाने, लागत आधार को कम करने और बेहतर नकदी प्रवाह के प्रबंधन के लिए अक्टूबर 2023 में घोषित व्यवसाय पुनर्गठन अभ्यास के अंतिम चरण में है। एडटेक स्टार्टअप ने पिछले दो वर्षों में हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। यह सीमित फंडिंग और निवेशकों और अन्य हितधारकों के साथ कानूनी लड़ाई से जूझ रहा है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, चार विदेशी निवेशकों के साथ चल रहे मुकदमे के कारण हम एक असाधारण स्थिति से गुजर रहे हैं, पूरा इकोसिस्टम जबरदस्त दबाव से गुजर रहा है। इस बीच, बायजू ने अपने हजारों कर्मचारियों के वेतन में लगातार दूसरे महीने यह कहते हुए देरी की कि कुछ गुमराह विदेशी निवेशकों ने फरवरी के अंत में एक अंतर्राम आदेश प्राप्त किया, जिसने राइट्स इश्यू के माध्यम से जुटाए गए धन के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया। कंपनी प्रबंधन ने कर्मचारियों को भेजे इमेल में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है कि वेतन भुगतान में फिर से देरी होगी।

मुकेवाज प्रशिक्षण के लिए तुर्की जाएंगे



क्लारीफायर और एशिया
चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। इसमें कहा गया है, पहलवान सुजीत (65 किग्रा), दीपवाल पुनिया (86 किग्रा) और नवीन (74 किग्रा) अप्रैल में एशिया

ओलंपिक क्रालीफिकेशन टूर्नामेंट से पहले प्रशिक्षण के लिए अपने सम्पादित साथी, कोच (रवि के लिए) और फिजियोथेरेपिस्ट के साथ रूस जाएंगे। इस बीच, भारतीय निशानेबाज भवनीश

मेंदीरता आईएसएसएफ विश्व कप, बाकू की तैयारी के लिए निजी कोच डेनियल डि स्पिगनो के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए इटली जाएंगे। मंत्रालय उनके एयर टिकट, आवास और भोजन

मोटोरोला ने दुनिया के पहले ट्रू क्लर कैमरा और डिस्प्ले के साथ भारत में लॉन्च किया अपना बहुप्रतीक्षित एज 50 प्रो फोन

A photograph showing four men standing on a stage, each holding a white Moto G50 smartphone. They are dressed in semi-formal attire. The man second from the left is wearing a white blazer over a dark shirt. The man third from the left is wearing a grey blazer over a dark shirt. The man fourth from the left is wearing a light blue button-down shirt. The man far right is wearing a light purple shirt. They are positioned in front of a large, illuminated 'moto' logo on a purple backdrop. The stage floor is dark.

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वश्रेष्ठ 5जी स्मार्टफोन ब्राउड मोटोरोला ने आज अपने नए प्रीमियम स्मार्टफोन - मोटोरोला एज 50 प्रो के भारत में ग्लोबल फर्स्ट लॉन्च की मेजबानी की। यह फोन मोटोरोला के एज फँचाइजी का सबसे नया एडिशन है। यह स्मार्टफोन बुद्धिमत्ता और कला के मिश्रण का बेहतर उदाहरण है और प्रीमियम स्मार्टफोन सेमीप्रो में हलचल मचाने के लिए तैयार है। इस स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र AI पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरा दिया गया है, जो पैनटोन1 द्वारा मान्य वास्तविक रंगों और मानव त्वचा टोन की विशाल रेंज के साथ आता है। इस पैनटोन द्वारा मान्य स्मार्टफोन में दुनिया का पहला और एकमात्र टू कलर डिस्प्ले भी दिया गया है। मोटोरोला एज 50 प्रो एक खूबसूरती से तैयार किए गए संतुलित डिजाइन में पेश किया गया है। यह फोन मूललाइट पर्ल फिनिश में दुनिया के पहले हस्तानिर्मित डिजाइन में आता है। इटली में बनाया गया ये डिजाइन फोन के पिछले हिस्से में देखने को मिलता है। इसके अलावा इस फोन में एक शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 0 7 जेन 3 प्रोसेसर भी है जो जेनरेटिव AI फीचर्स और दूसरे एक दम नए फीचर्स प्रदान करता है। इसमें तेज 125W टर्बोचारग्यू™ चार्जिंग, 50W वायरलेस चार्जिंग, IP682 अंडरवाटर प्रोटेक्शन और 256GB स्टोरेज के साथ 12GB रैम। पैनटोन अग्रिम

है। पैनटोन द्वारा मान्य वास्तविक रंग आउटपुट के साथ दुनिया के पहले AI पावर्ड प्रो-ग्रेड कैमरे से समर्जितप्रोसेसर एज 50 प्रो द्वारा प्रो-प्रीमियम सेमी

हुआ है जो आपके रोजमर्रा के जीवन को खूबसूरती से कैद की गई यादों में बदल देता है। इसका कैमरा असली दुनिया के पैनटोन संगें की प्रीमियम का प्राप्तिशक्ति का

अनुकरण करके पैनटोन के वैल्यूएशन और ग्रेडिंग मानदंडों को पूरा करता है। इसके अलावा, पैनटोन स्किनटोनइंवैलिडेटेड पर आधारित कैमरा मानव त्वचा के अलग-अलग रंगों को उनके एक दम वास्तविक टोन में कैप्चर करता है। मोटोरोला एज 50 प्रो का एडवांस कैमरा सिस्टम मोटोएड्डु की ताकत का इस्तेमाल करते हुए फेटो और वीडियो दोनों सेमीप्रो में शानदार प्रदर्शन करता है। इसका नया एड्डु फेटो एन्हार्समेंट इंजन हर शॉट के साथ परफेक्ट तस्वीरें खोंचना आसान बनाता है। इस कैमरे से फेटो लेने के लिए पेशेवर विशेषज्ञता की जरूरत नहीं है। इसका कैमरा अच्छी क्लालिटी की फेटो खीचनें के लिए एक साथ कई शूटिंग मोड से सेटिंग्स के लिए एड्डु का इस्तेमाल करता है। एन्हार्समेंट इंजन फेटो में हाइलाइट्स, छाया, रंग और शानदार बोकेंह इफेक्ट के लिए एड्डु का उपयोग करता है। जब भी कोई यूजर जीवन के सभी पहलुओं को चलते-चलते कैद करना चाहते हैं तो नए फीचर्स का एक सेट इसे पहले से कहां अधिक आसान बना देता है। इन सुविधाओं में शामिल हैं: AI आधारित स्टेल्लाइजेशन जो फिल्मांकन के दौरान मोमेंटम की स्पीड तय करने के लिए AI का इस्तेमाल करता है और सबसे बेहतर नतीजे के लिए स्टेल्लाइजेशन को डाइनेमिक तरीके से प्रदर्शन करता है।



हुआ है जो आपके रोजर्मा के जीवन को खूबसूरी से बढ़ाया है। इसका कैमरा असली दुनिया के ऐसे देशों से लिया गया है, जहाँ लोगों की जीवनी और उनकी व्यक्तिगतता का अध्ययन किया जाता है।

अनुकरण करके पैनटोन के वैल्यूएशन और ग्रेडिंग मानदंडों को पूरा करता है। इसके अलावा, पैनटोन स्किनटोनहृ वैलिडेटेड पर आधारित कैमरा मानव त्वचा के अलग-अलग रंगों को उनके एक दम वास्तवक टोन में कैप्चर करता है। मोटोरोला एज 50 प्रो का एडवांस कैमरा सिस्टम मोटोहृ की ताकत का इस्तेमाल करते हुए फेटो और वीडियो दोनों सेगमेंट शानदार प्रदर्शन करता है। इसका नया हृ फेटो एहांसमेंट इंजन हर शॉट के साथ परफेक्ट तस्वीरें खींचना आसान बनाता है। इस कैमरे से फेटो लेने के लिए पेशेवर विशेषज्ञता की जरूरत नहीं है। इसका कैमरा अच्छी क्लाइटी की फेटो खींचनें के लिए एक साथ कई शूटिंग मोड से सेटिंग्स के लिए हृ का इस्तेमाल करता है। एहांसमेंट इंजन फेटो में हाइलाइट्स, छाया, रंग और शानदार बोकेह इफेक्ट के लिए हृ का उपयोग करता है। जब भी कोई यूजर जीवन के सभी पहलुओं को चलते-चलते कैद करना चाहते हैं तो नए फीचर्स का एक सेट इसे पहले से कहीं अधिक आसान बना देता है। इन सुविधाओं में शामिल हैं: AI आधारित स्टेल्लाइजेशन जो फिल्माकन के दौरान मोमेंटम की स्पीड तय करने के लिए AI का इस्तेमाल करता है और सबसे बेहतर नतीजे के लिए स्टेल्लाइजेशन को डाइनेमिक तरीके से प्रदर्शन करता है।

